भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
तारांकित प्रश्न सं. *252
23/03/2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों में महासागर सेवाएं

*** 252. श्री प्रभाकर रेड्डी वेमिरेड्डी:**

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) मंत्रालय द्वारा विशेष रूप से आन्ध्र प्रदेश राज्य के तटीय क्षेत्रों में मछुआरों को प्रजाति-विशिष्ट सलाह देने से संबंधित कौन-कौन सी समुद्री सेवाएं प्रदान की जा रही हैं;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान आन्ध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों में समुद्री सेवाओं से कितने मछुआरे लाभान्वित हुए है; और

(ग) क्या समुद्री सेवाओं के अंतर्गत मछुआरों को एहतियात के तौर पर समुद्र में ऊँची उठने वाली लहरों संबंधी चेतावनी (हाई वेव अलर्ट) और हलचल की जानकारी देना भी शामिल है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रखा है।

“आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों में महासागर सेवाएं ” से संबंधित राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं. *252, जिसका उत्तर 23 मार्च, 2023 को दिया जाना है, के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (इंकॉइस), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, हैदराबाद को संभावित मत्स्यन क्षेत्र परामर्शी सेवाएँ, समुद्र की दशा पूर्वानुमान सेवाएँ, सुनामी और तूफान महोर्मि के लिए पूर्व चेतावनी सेवाएं, ऊंची लहर/ महातरंग चेतावनियां, तेल रिसाव मार्ग पूर्वानुमान तथा तटीय आबादी के लिए खोज और बचाव में सहायक उपकरण (एसएआरएटी), आदि के लिए चेतावनी सेवाओं जैसी विभिन्न महासागर सूचना सेवाएँ प्रचालन मोड में दैनिक आधार पर प्रदान करने का अधिदेश दिया गया है। मत्स्यन क्षेत्र परामर्शी सेवाओं में सामान्य मत्स्यन क्षेत्र परामर्शिका सेवा के साथ-साथ येलोफिन टूना के लिए प्रजाति-विशिष्ट परामर्शिकाएं शामिल हैं। समुद्र में मछली पकड़ने पर भारत सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध की अवधि को छोड़कर आंध्र प्रदेश राज्य के मछुआरा समुदाय को ये मत्स्यन क्षेत्र परामर्शी सेवाएं पूरे वर्ष प्रदान की जा रही हैं। इन सेवाओं का प्रसारण स्थानीय भाषाओं में विभिन्न प्रसारण मंचों के माध्यम से किया जा रहा है। इंकॉइस राज्य के मत्स्यन विभाग और विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के साथ दैनिक प्रचालन आधार पर परामर्शिकाओं के प्रसारण के लिए भी सहयोग करता है। येलोफिन टूना के लिए प्रजाति-विशिष्ट परामर्शिकाएं भी आंध्र प्रदेश के पंजीकृत मछुआरा समुदाय को प्रसारित की जा रही है।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान, आंध्र प्रदेश के एक लाख से अधिक मछुआरे संचार के विभिन्न माध्यमों जैसे एसएमएस, ईमेल, व्हाट्सएप, टेलीग्राम आदि के माध्यम से इंकॉइस की समुद्री सेवाओं से लाभान्वित हुए। पिछले तीन वर्षों के दौरान लाभान्वित हुए आंध्र प्रदेश के मछुआरों के विवरण नीचे दिए गए हैं।

तालिका: इंकॉइस से समुद्री सेवाएं प्राप्त करने वाले आंध्र प्रदेश के मछुआरों की संख्या

वर्ष	मछुआरों की संख्या
2020-21	1,15,285
2021-22	1,15,288
2022-23	1,15,465

इसके अतिरिक्त, ये समुद्री सेवाएं एम एस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन (MSSRF) और रिलायंस फाउंडेशन (RF) जैसे गैर सरकारी संगठन साझेदारों के चैनलों (व्हाट्स ऐप, मोबाइल ऐप, हेल्पलाइन सेवाएं आदि) के माध्यम से एक लाख से अधिक उपयोक्ताओं तक पहुंच रही हैं।

(ग) जी हां। मछुआरा समुदाय और तटीय आबादी की सुरक्षा (समुद्र के साथ-साथ तट पर भी) के लिए समुद्र की दशा संबंधी पूर्वानुमान सेवाएँ दैनिक प्रचालन आधार पर प्रदान की जाती हैं। समुद्र की दशा पूर्वानुमान सेवाओं में लहरों की ऊंचाई, दिशा और अवधि (पवन की लहरों और महातरंग लहरों दोनों की), समुद्र की सतह की धाराएं, खगोलीय ज्वार, पवन की गति और दिशा का 5 से 7 दिन पहले का पूर्वानुमान शामिल है। उच्च लहर चेतावनी तब जारी की जाती है जब चरम मौसम की स्थितियों जैसे चक्रवात, पेरीजियन स्प्रिंग ज्वार की स्थितियों तथा उच्च तरंग/महातरंग स्थितियों के दौरान लहर की ऊंचाई 3 मीटर से अधिक होती है। तूफानी लहरों और चक्रवातों से संबंधित जलप्लावन की चेतावनी भी जारी की जाती है। दक्षिणी हिंद महासागर से आने वाली उच्च अवधि की महातरंगों के प्रभाव से जुड़ी लहरें और समुद्र की असामान्य स्थिति की भी चेतावनी दी जाती है। पिछले तीन वर्षों के दौरान, आंध्र प्रदेश के मछुआरा समुदाय को जारी की गई उच्च लहर संबंधी चेतावनियों/अलर्ट्स, महातरंग, समुद्र की असामान्य स्थिति संबंधी अलर्ट की संख्या नीचे दी गई है।

तालिका: आंध्र प्रदेश के मछुआरा समुदाय को जारी की गई उच्च लहर चेतावनियों/अलर्ट्स, महातरंग, समुद्र की असामान्य स्थिति संबंधी अलर्ट की संख्या

वर्ष	चरम घटनाओं की संख्या
2020-21	60
2021-22	38
2022-23	40

*****